भा.प. अ. केंद्र के वैज्ञानिकों को सम्मान / BARC SCIENTISTS HONOURED

• डॉ. नरेंद्र मोहन गुप्ता, अध्यक्ष, अनुप्रयुक्त रसायनिकी प्रभाग को केटलिस्ट सोसाइटी ऑफ इन्डिया द्वारा एस. के. भट्टाचार्या ऐन्डोमेंट विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सत्कार एवं पुरस्कार समारोह उत्प्रेरक पर 16वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रथम भारत-जर्मन संगोष्ठी के दौरान आयोजित किया गया। यह आयोजन 6 से 8 फरवरी, 2003 के दौरान भारतीय रसायन प्रोद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में किया गया। यह गौरवशाली जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार उत्प्रेरक संस्था द्वारा 12 वर्ष पूर्व आरंभ किया गया तथा डॉ. गुप्ता इसके पांचवें विजेता हैं। डॉ. गुप्ता को यह पुरस्कार विजातीय उत्प्रेरक एवं पृष्ठीय विज्ञान के क्षेत्रों में उनके द्वारा किये गये अनुप्रयुक्त एवं मूलभूत अनुसंधान में प्रमुख योगदान के लिये दिया गया। डॉ. गुप्ता के अनुसंधान विषय निम्न हैं: जियोलाइटिक पदार्थों के कनफाइन्ड स्पेसस् में आण्विक गति विज्ञान पर अध्ययन, टेलरमेड मिश्रित आक्साइड उत्प्रेरकों का विकास एवं अभिलक्षणन, अंतरधात्विकी के उत्प्रेरक गुणधर्म, उत्प्रेरकों में सक्रियता का प्रभाव, उत्प्रेरक विषायण, आदि। डॉ. गुप्ता एवं उनके अनुसंधान सहयोगियों द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के लिये विकसित किये गये उत्प्रेरकों में गम्भीर दुर्घटना की परिस्थितियों में नाभिकीय ऊर्जा रियक्टरों के कन्टेनमेंट में हाइड्रोजन के न्यूनीकरण हेतु उत्प्रेरक, सील्ड ऑफ CO_2 लेसर से CO_2 की पुनः प्राप्ति के उत्प्रेरक तथा हाइड्रोजन एवं जल के बीच में आइसोटोपीय आयन विनिमय हेतु उत्प्रेरक शामिल हैं।

डॉ. गुप्ता महाराष्ट्र वैज्ञानिक अकादमी के सदस्य हैं। वे उत्प्रेरकों के क्षेत्र में प्रमुख योगदान के लिये "हरि ओम आश्रम प्रेरित श्री एस.एस. भटनागर अनुसंधान पुरस्कार -1998 के विजेता भी हैं तथा यूडीसीटी (UDCT), मुम्बई -1998 के डीएमसीसी (DMCC) अभ्यागत सदस्य हैं।

Dr Narendra Mohan Gupta, Head, Applied Chemistry Division, BARC, was honoured by the Catalysis Society of India with the S.K. Bhattacharya Endowment Eminent Scientist Award. This felicitation and award function formed the part of the 16th National Symposium and the First Indo-German Symposium on Catalysis, held at the Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad, during February 6-8, 2003. Dr Gupta is the fifth recipient of this prestigious life-time achievement award instituted by the Catalysis Society about 12 years ago. This honour comes to Dr Gupta for his contributions to the applied as well as the fundamental research in the areas of heterogeneous catalysis and surface science.

Some of the topics pursued by Dr Gupta relate to: Studies on the dynamics of molecular motions in the confined spaces of zeolitic materials, structure-activity relationship in catalytic processes, development and characterization of tailor-made mixed oxide catalysts, anchoring and encapsulation of nano-size metal oxide crystallites within the channel system of mesoporous materials, catalytic properties of intermetallics, radiation effects in catalysis, catalytic poisoning, and the surface processes occurring during catalytic reactions.

Some of the catalysts developed by Dr Gupta and his research group for the requirements of Department of Atomic Energy include : Catalysts for the mitigation of H_2 in containments of nuclear power reactors during the severe accident conditions, catalysts for recovery of CO_2 in sealed-off CO_2 laser, and the hydrophobic catalysts for isotopic exchange between hydrogen and water.

Dr Gupta is a Fellow of the Maharashtra Academy of Sciences. He is also a recipient of Hari Om Ashram Prerit Shri S.S. Bhatnagar Research Award - 1998 for contributions in

Catalysis and a DMCC Visiting Fellowship at UDCT, Mumbai - 1998.

• डॉ. जी.पी. कोठियाल अध्यक्ष, ग्लास एन्ड सिरामिक्स टेक्नोलाजी अनुभाग, TPPED, को फरवरी 11-13, 2003 के दौरान भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में आयोजित मेटीरियल रिसर्च सोसाइटी आफ इण्डिया (MRSI) की 14वीं वार्षिक सभा में वर्ष 2003 के लिए MRSI मेडल लेक्चर अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें पदार्थ विज्ञान तथा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। यह पुरस्कार एक पदक, प्रशस्तिपत्र, तथा 2000/-रुपये का है जो प्रति वर्ष ऑल इन्डिया आधार पर MRSI के द्वारा दिया जाता है। हाल में ही (2002) भारतीय स्वास्थ्य संस्था, पर्यावरण, शिक्षण तथा अनुसंधान (ISHEER), जोधपुर शाखा ने भी उन्हें सम्मानित किया था। डॉ. कोठियाल पिछले 20 वर्षों से भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के हिन्दी विज्ञान साहित्य परिषद की त्रैमासिक पत्रिका "वैज्ञानिक" के सम्पादकीय मंडल में हैं तथा अब प्रमुख सम्पादक के पद पर हैं। वर्ष 1999 में हिन्दी में विज्ञान संचार-व्यवस्था के क्षेत्र में मुख्य योगदान के लिए उन्हें विज्ञान परिषद प्रयाग द्वारा "विज्ञान वाचस्पति" का पद दिया गया। इन्होंने भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक लेख प्रकाशित किए हैं। डॉ. कोठियाल मुम्बई विश्वविद्यालय से एक मान्यता प्राप्त भौतिकी पीएचडी निर्देशक भी हैं।

Dr G.P. Kothiyal, Head, Glass and Ceramics Technology Section of TPPED, BARC, was honoured by MRSI Medal Lecture award for the year 2003 in 14th Annual General Meeting of Materials Research Society of India (MRSI) held at BARC during February 11-13, 2003. The award has been conferred upon him for his outstanding contributions in the field of materials science and engineering. The award carries a medal, certificate and a cash prize of Rs. 2000/-. The award is given by MRSI every year on an all India basis. He has also been honoured recently (2002) for his remarkable editing ability by Indian Society of Health, Environment, Education and Research (ISHEER), Jodhpur Chapter. Dr Kothiyal has been associated with the editorial board of *Vaigyanik*, a quarterly Journal of Hindi Vigyan Sahitya Parishad, BARC, for the last twenty years and is currently its Chief Editor. Earlier, he was honoured by a title of 'Vigyan Vachaspati' by Vigyan Parishad Prayag in 1999, for his contribution in the field of science communication/popularisation in Hindi. He has published more than 100 papers in International/ national journals/proceedings in the area of materials science. He is a recognised Ph.D. guide in Physics from University of Mumbai.